

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

Sl.No. :

नामांक	Roll No.

No. of Questions – 20

No. of Printed Pages – 7

VU-49-Nyay Darshnam

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2025

VARISHTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2025

न्याय दर्शनम्

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः

- 1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्यः।
- 2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
- 3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
- 4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागाः एकत्र एव लेखनीयाः।
- 5) सर्वे प्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीयाः।

खण्ड: - 'अ'

1) बहुविकल्पात्मक प्रश्नाः -

[18×1=18]

i) 'तर्कभाषा' कस्य कृतिरस्ति?

[1]

अ) अन्नमभट्टस्य

ब) केशवमिश्रस्य

स) गौतमस्य

द) कणादस्य

ii) कस्मिन् ग्रन्थे प्राधान्येन षोडशपदार्थाः प्रतिपाद्यन्ते?

[1]

अ) सांख्यकारिकायाम्

ब) वेदान्तसारे

स) तर्कसंग्रहे

द) तर्कभाषायाम्

iii) न्यायशास्त्रे उक्तानां प्रमाणानां संख्या कियती?

[1]

अ) त्रीणि

ब) चत्वारि

स) पञ्च

द) षट्

iv) तर्कभाषायामर्थापत्तिः कुत्रान्तर्भाविता?

[1]

अ) प्रत्यक्ष प्रमाणे

ब) अनुमान प्रमाणे

स) उपमान प्रमाणे

द) शब्द प्रमाणे

v) असाधारणधर्मः कस्य लक्षणम्?

[1]

अ) लक्षणस्य

ब) उद्देशस्य

स) परीक्षायाः

द) आत्मनः

vi) निष्प्रकारकं ज्ञानं किम्?

[1]

अ) स्मृतिः

ब) यथार्थः

स) निर्विकल्पकम्

द) विपर्ययः

vii) न्यायदर्शनानुसारं किं प्रमाणरूपेण न स्वीक्रियते?

[1]

अ) उपमानम्

ब) अर्थापत्तिः

स) प्रत्यक्षः

द) शब्दः

- viii) अनुमाने अवयवानां कति संख्या भवति? [1]
 अ) पञ्च ब) सप्त
 स) नव द) दश
- ix) न्यायदर्शनानुसारं संज्ञा-संज्ञिसम्बन्धज्ञानम् किमुक्तम्? [1]
 अ) अनुमितिः ब) उपमितिः
 स) प्रत्यक्षज्ञानम् द) शाब्दज्ञानम्
- x) तर्कभाषायां लिङ्गपरामर्शः अस्ति - [1]
 अ) प्रत्यक्षम् ब) अनुमानम्
 स) उपमानम् द) शब्दः
- xi) परार्थानुमाने प्रतिज्ञावाक्यं किम्? [1]
 अ) पर्वतो वह्निमान् ब) यो यो धूमवान् स स वह्निमान्
 स) तस्मात्तथा द) धूमवत्कृत्
- xii) 'साध्यव्यापकत्वे सति साधनाव्यापकः' इति कस्य लक्षणम्? [1]
 अ) कारणभेदः ब) हेतुः
 स) हेत्वाभासः द) उपाधिः
- xiii) अतिदेशवाक्यार्थस्मरणं कुत्र व्यापारः? [1]
 अ) प्रत्यक्षे ब) अनुमितौ
 स) उपमितौ द) शाब्दबोधे
- xiv) विशेषाः कति सन्ति? [1]
 अ) पञ्च ब) दश
 स) सप्त द) अनन्ताः

- xv) जलीयमिन्द्रियम् किं करोति? [1]
 अ) रूपस्य ग्रहणं करोति ब) गन्धस्य ग्रहणं करोति
 स) स्पर्शस्य ग्रहणं करोति द) रसस्य ग्रहणं करोति
- xvi) वायुरूपं शरीरं कुत्रास्ति? [1]
 अ) वायुलोके ब) सूर्यलोके
 स) वरूणलोके द) कुबेरलोके
- xvii) आकाशं कतिविधम्? [1]
 अ) एकविधम् ब) चतुर्विधम्
 स) द्विविधम् द) षड्विधम्
- xviii) रूपम् कतिविधम्? [1]
 अ) त्रिविधम् ब) सप्तविधम्
 स) चतुर्विधम् द) द्विविधम्

- 2) रिक्तस्थानानि पूरयत - [6×1=6]
- i) अन्त्यो नित्यद्रव्यवृत्ति परिकीर्तितः। [1]
 ii) स्पर्शः संख्या पृथक्त्वच्च ततः परम्। [1]
 iii) द्रव्यादित्रिकवृत्तिस्तु परतयोच्यते। [1]
 iv) लक्षणं तु धर्मवचनम्। [1]
 v) प्रमाकरणं। [1]
 vi) वेमादिकं पटस्य। [1]

3) अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नाः -

[12×1=12]

- | | |
|---|-----|
| i) न्यायदर्शनस्य उपज्ञाता कः ? | [1] |
| ii) नव्यन्यायानुसारं समवायः कः ? | [1] |
| iii) प्रभाकरानुसारं कति प्रमाणानि ? | [1] |
| iv) 'व्याप्तिः' इत्यस्य लक्षणं किम् ? | [1] |
| v) कतिविधं अनुमानम् ? | [1] |
| vi) 'आप्तवाक्यं' किम् ? | [1] |
| vii) 'इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं किम् ? | [1] |
| viii) नित्या पृथिवी का अस्ति ? | [1] |
| ix) शब्दः केन गृह्यते ? | [1] |
| x) कार्यनियतपूर्ववृत्तिः किम् ? | [1] |
| xi) प्रत्यक्षज्ञानहेतुः इन्द्रियार्थ सन्निकर्षः कतिविधः ? | [1] |
| xii) सन्दिग्धसाध्यवान् कः ? | [1] |

खण्डः - 'ब'

लघूत्तरात्मक प्रश्नाः -

[10×2=20]

- | | |
|--|-----|
| 4) न्यायदर्शनानुसारं कति प्रमाणानि ? कानि च तानि ? | [2] |
| 5) न्यायदर्शनं कैः कैः नामभिः ज्ञायन्ते ? | [2] |
| 6) नैयायिकानुसारं मोक्षं किम् ? | [2] |
| 7) अभाव-प्रत्यक्षे कः सन्निकर्षः ? | [2] |
| 8) शब्दस्य कति भेदाः ? के च ते ? | [2] |
| 9) व्याप्तेः किं लक्षणम् ? | [2] |

- 10) सव्यभिचारस्यापरं नाम किम्? [2]
- 11) किं नाम साधर्म्यम्? [2]
- 12) यथार्थानुभवः कतिविधः? [2]
- 13) शब्दत्व-साक्षात्कारे कः सन्निकर्षः? [2]

खण्डः – 'स'

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः –

- 14) तर्कभाषानुसारेण न्यायदर्शनस्य प्रमुख पदार्थानां विवेचनं कुरुत। [3]

अथवा

तर्कभाषायाः मङ्गलाचरणं लिखत।

- 15) अर्थापत्तेः किं स्वरूपम्? स्पष्टयत। [3]

अथवा

अभावस्य किं स्वरूपम्? स्पष्टयत।

- 16) कस्यचिदेकस्य स्वरूपं विवेचनीयम्। [3]

अ) शब्दप्रमाणम्

ब) उपमानप्रमाणम्

- 17) कस्यचिदेकस्य स्वरूपं निरूपणीयम्। [3]

अ) स्वतः प्रामाण्यम्

ब) परतः प्रामाण्यम्

निबन्धात्मक प्रश्नाः -

18) कतिविधोऽलौकिकः सन्निकर्षः? सोदाहरणं निरूपयत। [4]

अथवा

षड्विधसन्निकर्षः सोदाहरणं निरूपयत।

19) प्रत्यक्षस्य लक्षणं तस्य भेदांश्च सम्यङ् निरूप्यतस्य विषयाश्च प्रतिपाद्यताम्। [4]

अथवा

पृथिव्या लक्षणं विलिख्य तस्य भेदान् प्रदर्शयत।

20) कारणस्य भेदान् विलिख्य तान् लक्षणोदाहरण-प्रदर्शनपूर्वकं विवृणुताम्। [4]

अथवा

अभावपदार्थं निरूप्य तस्य भेदान् प्रदर्शयत।



DO NOT WRITE ANYTHING HERE